



॥ श्री अन्नपूर्णा माता भजन ॥  
॥ ॐ अन्नपूर्णायै नमः ॥

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

# ॥ श्री अन्नपूर्णा माता भजन ॥

मुखड़ा

भर दो माँ अन्नपूर्णा, मेरे घर का भंडार।  
तेरी कृपा से महके माता, जीवन का संसार॥  
भर दो माँ अन्नपूर्णा...

अंतरा - 1

काशी की तुम राजदुलारी, शिव शंकर की प्यारी।  
दीन-दुखियों की सुनती हो, मैया पालनहारी॥  
तेरे चरणों में सुख मिलता, मिटते सब संताप।  
तेरी कृपा से खिल उठता, जीवन का हर आप॥  
भर दो माँ अन्नपूर्णा...

अंतरा - 2

स्वर्ण पात्र में अन्न सजाए, सबको भोजन देती।  
भूखे-प्यासे जन की मैया, हर पीड़ा हर लेती॥  
तेरे दर से कोई न जाए, खाली अपनी झोली।  
ममता की गंगा बहती, भर देती हर झोली॥  
भर दो माँ अन्नपूर्णा...

अंतरा - 3

धन-धान्य से भर दो मैया, सुख-समृद्धि देना।  
ज्ञान, भक्ति और सद्बुद्धि का, अमृत भी भर देना॥  
तेरे नाम का दीप जलाकर, हर दिन तुझे मनाऊँ।  
जीवन भर मैं सेवा करके, तेरा यश ही गाऊँ॥  
भर दो माँ अन्नपूर्णा...

अंतरा - 4

अन्न का हम मान करेंगे, व्यर्थ कभी न खोएँ।  
भूखे जन को भोजन देकर, जीवन अपना संजोएँ॥  
तेरी शिक्षा यही सिखाती, सेवा सबसे न्यारी।  
तेरे चरणों में है मैया, खुशियों की फुलवारी॥

## अंतरा – 5

संकट सारे दूर करो माँ, रखना अपनी छाया।  
तेरी कृपा से जीवन मेरा, बन जाए सुखमाया॥  
जब तक प्राण रहें तन में, नाम तुम्हारा गाऊँ।  
भक्ति-भाव के पुष्प चढ़ाकर, चरणों में शीश झुकाऊँ॥  
भर दो माँ अन्नपूर्णा...

